

geschrei), Wolken, vom Meere, Winde: सिंहेनामिव गर्जताम् MBh. 3, 16278. (वृषभः) गर्जमानः PAÑKĀT. 9, 8. कृष्टो गर्जति चातिदुर्पितबलो डुर्योधनो वा शिखी MĀKĀ. 77, 2. अगर्जद्दरिवरः सुप्रोवः R. 1, 4, 66. योधानो चैव गर्जताम् MBh. 6, 678. तावद्गर्जसि राधेय यावत्पार्थ न पश्यसि 7, 6990. गर्जित्वा 6989. (बले) गर्जच्च विविधा गिरः 3, 14576. रणे न गर्जति वृथा हि प्रूराः किं कथ्यसे प्राकृतव्यथा R. 6, 36, 73. नाम संभ्रावयामास जगर्ज च ननाद च 79, 10. खरं गर्जति (रातसः) 33, 11. 3, 30, 28. 4, 45, 8. 5, 3, 70. 56, 92. मयाद्यायं मृगो कृतः ॥ महाकुबलमाश्रित्य तृप्तिमय गमिष्यति । गर्जमानस्य तस्यैवम् MBh. 1, 5578. विकर्षती मकवेगो गर्जमानो परस्परम् 6018. गर्जती (रातसो) R. 1, 27, 10. 28, 12. 3, 24, 25. गर्जती 5, 25, 30. भगवान्यज्ञपुरुषो जगर्ज BHĀG. P. 3, 13, 23. शिक्षिता लोकयात्रेति गर्जन् (brummen) स निरगाततः KATHĀS. 6, 60. तं तथा गर्जमानं तु मेघदुन्दुभिनिस्वनम् MBh. 1, 7962. (घनाः) गर्जति 3, 180. 9, 3115 (जगर्जताविव तोयदौ). 1, 1298. BHĀRṬ. 4, 7. कक्षात्तरगतो वायुर्जमित् इव गर्जति R. 5, 5, 24. MBh. 3, 8621. सागरस्येव गर्जतः 6, 2246. R. 3, 39, 11. 4, 53, 2. 5, 5, 2. 6, 108, 17. PAÑKĀT. V, 10. (समुद्रम्) गर्जमानमिवाम्भसा MATSĀP. 41. उदपानानि गर्जन्ति तडागाश्च वृषा इव R. 6, 11, 29. — गर्जित (s. auch d.) n. Gebrüll, wildes Geschrei, Getöse, Donner: गजिन्द्राणाम् AK. 3, 4, 35, 170. करि° 2, 8, 2, 76. मन्द्रकाण्ड° (गजस्य) Vikr. 65, 11. दैत्यानाम् MBh. 3, 12137. गर्जितेन वृथा किं ते कथ्यतेन च Hip. 4, 13. MBh. 1, 7951. 7, 6990. fg. R. 3, 29, 24. BHĀG. P. 3, 13, 24. Vet. 27, 1. तस्यातिगर्जितं श्रुत्वा R. 4, 9, 11. मेघगर्जित (Donner, oft auch ohne Beifügung von Wolke) R. 3, 36, 4. 4, 44, 44. AK. 1, 1, 2, 10. TRĪK. 3, 3, 156. H. 1406. an. 3, 259. MED. t. 106. JĀGĀ. 1, 145. KUMĀRAS. 2, 53. MEGH. 11. 62. आमन्द्राणाम् — गर्जितानाम् 33. मन्द्र° VĀRĀH. BH. S. 21, 16. — Vgl. गज्.

— अनु nachbrüllen, nachtosen: सो ऽनुगर्जन्धनुष्याणिः MBh. 7, 1714. अनुगर्जितं n. Widerhall eines Getöses u. s. w.: अनुगर्जितसंदिग्धाः — मुरजस्वनाः KUMĀRAS. 6, 40.

— अभि anbrüllen, anschreien; ein Gebrüll, ein wildes herausforderndes Geschrei erheben: शार्दूलाविव चान्योऽन्यमभिषार्थे ऽभ्यगर्जताम् MBh. 7, 5484. कुञ्जराणाम् — अन्योऽन्यमभिगर्जताम् R. 2, 100, 10. दुःशामनस्तामभिगर्जमानः MBh. 2, 2225. 1, 1184. R. 3, 30, 29. सिंहेनत्तं चाप्यभिगर्जतो ऽस्य MBh. 3, 697. द्विरदाश्च मयूराश्च सिंहा व्याघ्राश्च यत्र वै । अभिगर्जति R. 4, 43, 39. BHĀG. P. 8, 2, 6. प्रूराणां चाभिगर्जताम् MBh. 8, 836. R. 6, 2, 33. 19, 20. अभिगर्जितं n. wildes herausforderndes Geschrei 4, 14, 1. — Vgl. अभिगर्जन.

— समभि dass.: कथमेवमगर्जस्त्वमस्मान्मभिगर्जसि MBh. 5, 5635.

— परि brüllen, schreien: किञ्चभूतायो ताम् — परिगर्जतीम् R. 1, 28, 17.

— प्र zu tosen, zu donnern beginnen: निर्धमेव चाकाशं प्रजगर्ज मकृस्वनम् MBh. 1, 1419. प्रगर्जितं n. Getöse VJUP. 80.

— मंप्र, संप्रगर्जितं n. heftiges Getöse VJUP. 80.

— प्रति entgegenbrüllen, mit einem Brüllen u. s. w. antworten. sich gegenseitig anschreien: मत्तान्कुञ्जराप्रतिगर्जितः MBh. 5, 2048. सिंहे घनधनिं प्रतिगर्जति Sch. zu Çiç. 16, 25. बलवञ्चापि संक्रुद्धावन्योऽन्यं प्रतिगर्जताम् MBh. 4, 763. सिंहेनादाश्च नराणां प्रतिगर्जताम् 6, 1672. स हि निदेशमलङ्घयतामभूत्सुहृदयोहृदयः प्रतिगर्जताम् entgegeneschreien so v. a. sich widersetzen RAGH. 9, 9. ऋषीणां कर्दनं कृत्वा मामपि प्रतिगर्जति HARIV. 2763.

H. Theil.

— वि brüllen, schreien: योधानो च विगर्जताम् MBh. 6, 610. लमनासाय तान्वाणाणांफाल्गुनस्य विगर्जसि (in frechem Uebermuth) 7, 6994.

— सम् anbrüllen, anschreien: अन्योऽन्यं संजगर्जतुः (वोरौ) MBh. 7, 5908.

गर्ज (von गर्ज्) m. P. 7, 3, 59. Sch. m. f. (गर्जा) TRĪK. 3, 3, 18. 1) m. (ein brüllender) Elephant H. 1218. — 2) Gebrüll des Elephanten, n. H. 1405. f. गर्जा Sch.

गर्जक (wie eben) m. ein best. Fisch (शाल, शालज, vulg. गजाड) ÇABDAR. im ÇKDR.

गर्जन (wie eben) n. Gebrüll, Geschrei, Getobe, Getöse H. an. 3, 371. MED. n. 36. प्रकुरेणापि घनघोरगर्जनं कृत्वा Hit. 34, 24. रावणगर्जनम् R. 5, 24 in der Unterschr. Nach H. an. ausserdem = युध् d. i. Kampfschrei, nach MED. = कोप d. i. Getobe im Zorn. Die Bedeutungen उत्तेजन Aufstacheln und भर्त्सन Anfahren, Drohen, welche ÇKDR. (wie auch युद्ध nach H.) nach ÇABDAR. dem Worte गर्जाफल zuteilt, gehören hierher.

गर्जर n. Möhre, Daucus Carota Lin. RĀGĀN. im ÇKDR.

गर्जाफल (गर्जा + फल) m. N. einer Pflanze (s. विकारट्क) RĀGĀN. im ÇKDR.

गर्जि (von गर्ज्) m. das Getöse des Donners H. 1406.

गर्जितं (von गर्ज्) gaṇa तारकादि zu P. 5, 2, 36. m. ein (brüllender) brünstiger Elephant AK. 2, 8, 2, 4. TRĪK. 3, 3, 156. H. 1220. an. 3, 258. MED. t. 106. — गर्जितं n. s. unter गर्ज्.

गर्ज्य partic. fut. pass. von गर्ज् P. 7, 3, 59. Sch. SIDDH. K. zu P. 7, 3, 52.

1. गर्तं m. 1) etwa hoher Stuhl, Thron; auch der Sitz des Streitwagens, daher auch auf den Wagen selbst gedeutet Nir. 3, 5. किराण्यत्रपृषतो व्युष्टावपस्थणामुदित्ता सूर्यस्य । आ रौह्यो वरुण मित्र गर्तम् RV. 5.62, 8.5. वृहत्तं गर्तमाशाते 68, 5. यो वो गर्तं मनसा तत्तदितम् 7, 64, 4. तिष्ठद्दरी अद्यस्तेव गर्तं 6, 20, 9. Vgl. अधिगर्त्य. — 2) so v. a. समास्थाणु (nach DURGA = अन्ननिचयनरीठ Würfeltisch) Nir. 3, 5. — 3) unter den Wörtern für गृह् NAIÇU. 3, 4.

2. गर्तं (jüngere Form für कर्त) Uṇ. 3, 85. 1) m. Grube, Loch; Grab Nir. 3, 5. AK. 1, 2, 1, 2. H. 1364. an. 2, 164. MED. t. 13. गर्तमिव पतति ÇAT. Br. 14, 7, 1, 20. 3, 6, 1, 18. 5, 2, 1, 7. ÇĀṆKH. GRHJ. 1, 15. 3, 2. ज्ञानुमात्रं गर्तं खात्वा ĀÇV. GRHJ. 2, 8. 4, 5. KAUC. 49.66 u. sonst. ससन्धेषु गर्तेषु M. 4, 47. क्षानं समाचरोन्नित्यं गर्तप्रव्रजणेषु च 203. दर्शयितामहान् । लम्बमानान्महागते पदौर्ध्वैर्वाञ्छवान् MBh. 1, 1034. fg. 3, 8553. fgg. गर्तरुद्ध इवोर्गः R. 4, 34, 2. चित्रते गर्ते निपपात MĀRK. P. 21, 9. 10. अर्घ्वाचस्थानमुच्छिष्टप्रलेपणार्थं गर्तादिकम् Mit. 267, 5 v. u. जेत विण्मूत्रयोगर्तं (vom Fötus) BUĀG. P. 3, 31, 5. रामगर्तेषु (सुकरस्य) 13, 33. ममतावर्ते मोक्षगर्ते निपातिताः DEV. 1, 40. Auch n.: ततस्ते पर्यवर्तत सर्वे द्रोणार्थं प्रति । भयात्पतगराजस्य गर्तानीव महारगाः ॥ MBh. 7, 4953. Auch f. गर्ता H. 1364, Sch. PAÑKĀT. 84, 22. fg. 82, 2. 96, 14. 20. 142, 6. Am Ende eines adj. comp. f. आः निधिगर्ता (○र्गर्ता?) दद्रुमिम् MBh. 13, 3184. Am Ende von Ortsnamen P. 4, 2, 137. — 2) m. Lendenhöhle H. an. MED. — 3) m. eine Art Krankheit ÇABDAR. im ÇKDR. — 4) m. N. eines Theiles von Trigarta H. an. MED.

गर्तन्वत् (von 2. गर्त) adj. mit einer Grube, Vertiefung versehen: गर्तन्वान्यूपो ऽतीहयाप्रो भवति ÇAT. Br. 5, 2, 1, 7.